ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 04-07-2023

नैनीताल(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2023-07-04 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2023-07-05	2023-07-06	2023-07-07	2023-07-08	2023-07-09
वर्षा (मिमी)	35.0	25.0	30.0	45.0	30.0
अधिकतम तापमान(से.)	21.0	21.0	20.0	19.0	19.0
न्यूनतम तापमान(से.)	17.0	16.0	17.0	17.0	18.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	95	95	95	95	95
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	75	75	70	75	75
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	6	5	6	7	4
पवन दिशा (डिग्री)	70	70	120	70	70
क्लाउड कवर (ओक्टा)	4	5	8	6	8

मौसम सारांश / चेतावनी:

आगामी पांच दिनों में 04.07.2023 से 08.07.2023 तक जिले में 25 से 45 मिमी के बीच मध्यम से भारी वर्षा होने की संभावना है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान 19.0-21.0 डिग्री सेल्सियस और 16.0-18.0 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा। हवा की गति 4-7 किमी प्रति घंटे और हवा की दिशा मुख्यतः पूर्व-उत्तर-पूर्व होगी। चेतावनी: 4-6 जुलाई के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है, जहां उत्तराखंड की पहाड़ियों में अलग-अलग स्थानों पर बिजली गिरने और तीव्र / बहुत तीव्र बारिश के साथ तूफान की चेतावनी जारी की गई है। 7 और 8 जुलाई को जिले में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है, साथ ही 4-6 जुलाई जैसी स्थिति भी रहेगी।

सामान्य सलाहकार:

बरसात का मौसम है तो किसानों को सलाह दी जाती है कि वे पिछले सप्ताह के मौसम, मौसम का पूर्वानुमान जानने के लिए "मेघदूत ऐप" डाउनलोड करें और कृषि मौसम संबंधी सलाह और बिजली की जानकारी प्राप्त करने के लिए "दामिनी ऐप"। मेघदूत और दामिनी ऐप्स को गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉ इड उपयोगकर्ता) और ऐप सेंटर (iOS उपयोगकर्ता) से डाउनलोड किया जा सकता है। यह करने से उपयुक्त कृषि गतिविधियों के लिए सही निर्णय लेने में उनकी मदद होगी। पहली बारिश में जानवरों को भीगने न दें क्यूंकि यह त्वचा समबन्धी बिमारियों को न्योता देती है ।

लघु संदेश सलाहकार:

4-8 जुलाई को उत्तराखंड की पहाड़ियों में अलग-अलग स्थानों के लिए पीला अलर्ट जारी किया गया है, जहां भारी बारिश की चेतावनी के साथ-साथ बिजली गिरने और तीव्र / बहुत तीव्र वर्षा होने की भविष्यवाणी की गई है।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
चावल	उर्वरकों का प्रयोग बुआई के समय 1/4 N और पूर्ण P और K के रूप में किया जाना चाहिए। यदि गोबर का उपयोग किया जा रहा है तो इसे 15-20 दिन पहले डालें और फिर सिर्फ 1/2 N (10-15 किग्रा) का उपयोग करें। वाले क्षेत्रो में माह के प्रथम सप्ताह तक रोपाई कर लें। किसान भाई धान की रोपाई से पूर्व खेत मे सिंचाई के लिए नाली तथा जल निकास की समुचित व्यवस्था करें।
गुर्दे की फलियाँ / राजमा	राजमा की बुआई महीने के प्रथम सप्ताह में कर लेनी चाहिए।
मूँग	मूंग की बुवाई पुनः ख़तम कर ले । बीज के उपचारण हेतु जैव नियंत्रक ट्रा इकोडर्मा पाउडर 5 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज के दर से उपचारित करें।
काला चना	उरद की बुवाई के महीने के प्रथम सप्ताह में कर लेनी चाहिए । बीज के उपचारण हेतु जैव नियंत्रक ट्रा इकोडर्मा पाउडर 5 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज के दर से उपचारित करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
आलू	The potato crop should be sprayed with a solution of mancozeb or copper oxychloride for the disease of the late blight. Farmer brothers, spraying should be done keeping the weather forecast in mind.
सेम की फली	पकी हुई फसल की तुड़ाई करें और वर्षा के कारण होने वाली बीमारियां जैसे श्यामवर्ण को नियंत्रित करने के लिए कार्बेन्डाजिम 50% डब्लू.पी. 1 ग्राम/ली के दर से छिड़काव करें । .किसान भाइयों को मौसम पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए छिड़काव करना चाहिए।
टमाटर	किसानों को टमाटर की पकी हुई फसल की तुड़ाई कर लेनी चाहिए। वर्षा के बाद वायरल रोग लगने की संभावना रहती है इसलिए संक्रमित पौधों को नष्ट कर दें और रस-चूसने वाले कीड़ों को नियंत्रित करने के लिए सर्वद्देशीय कीटनाशकों का छिड़काव करें। झुलसा रोग के प्रकोप से बचाव के लिए मैंकोजेब 2.5 ग्राम/लीटर या कॉपर ऑक्सीक्लोराइड 3.0 ग्राम/लीटर पानी में घोलें और छिड़काव करें। किसान भाई मौसम के पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए ही छिड़काव करें ।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	पशुओ को संक्रामक रोग से बचाने हेतु टीकाकरण करवायें। मानसून के प्रारम्भ में अचानक तेज घूप व तेज वर्षा से पशुओं को बचायें क्योंकिक्यों इसकी वजह से त्वचा में जलन जैसा विकार उत्पन्न हो जाता है। इस ऋतुओं में कृमियों का प्रकोप बढ़ जाता है और इससे बचने के लिए कृमिनाशक का उपयोग निकटतम पशु चिकित्सक की सहायता से करें। मौसम पूर्वानुमान को देखते हुए, पशुशाला में वर्षा के जल को एकत्र न होने दे तथा जल निकासी की व्यवस्था रखें।
भेंस	पशुओ को संक्रामक रोग से बचाने हेतु टीकाकरण करवायें। मानसून के प्रारम्भ में अचानक तेज घूप व तेज वर्षा से पशुओं को बचायें क्योंकिक्यों इसकी वजह से त्वचा में जलन जैसा विकार उत्पन्न हो जाता है। इस ऋतुओं में कृमियों का प्रकोप बढ़ जाता है और इससे बचने के लिए कृमिनाशक का उपयोग निकटतम पशु चिकित्सक की सहायता से करें। मौसम पूर्वानुमान को देखते हुए, पशुशाला में वर्षा के जल को एकत्र न होने दे तथा जल निकासी की व्यवस्था रखें।